ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

साक्षात् सर्व समर्थ बाप हमारे साथ है..

POWER OF HAPPINESS

"बाप से भिन्न-भिन्न सम्बन्धों का अनुभव करो।"

सारा दिन, बाप के सर्व-सम्बन्धों का हर समय प्रमाण सुख नहीं ले पाते हो जो गोपियों और पाण्डवों के चरित्र गाये हुए हैं। बाप से सर्व-सम्बन्धों का सुख लेना और मग्न रहना अथवा सर्व-सम्बन्धों के लव में लवलीन रहना, वह अनुभव अभी किया नहीं है। बाप और शिक्षक इन विशेष सम्बनधों का सुख अनुभव करते हो लेकिन सर्व-सम्बन्धों के सुखों की प्राप्ति का अनुभव कम करते हो। इसलिए जिन सम्बन्धों के सुखों का अनुभव नहीं किया है, उन सम्बन्धों में बुद्धि का लगाव जाता है और वह आत्मा का लगाव व बुद्धि की लगन विघ्न-रूप में बन जाती है। तो सारे दिन में भिन्न-भिन्न सम्बन्धों का अनुभव करो। अगर इस समय बाप से सर्व-सम्बन्धों का सुख नहीं लिया है, तो सर्व- सुखों की प्राप्ति में सर्व-सम्बन्धों की रसना लेने में कमी रह जायेगी। अभी अगर यह सुख नहीं लिया तो कब लेंगे? आत्माओं से सर्व-सम्बन्ध तो सारा कल्प अनुभव करेंगे लेकिन बाप से सर्व-सम्बन्धों का अनुभव अभी नहीं किया तो कभी भी नहीं करेंगे। तो इन सर्व-सम्बन्धों के सुखों में सारा दिन-रात अपने को बिजी रखो। इन सुखों में निरन्तर रहने से और सर्व-सम्बन्ध असार और नीरस अनुभव होंगे। इसलिए बुद्धि एक ठिकाने पर स्थित हो भटकना बन्द हो जायेगा। और आप इन सुखों के झूले में सदा झूलते रहेगे। ऐसी स्थिति बनाने से तीव्र पुरुषार्थी स्वत: और सहज बन जायेंगे, सर्व कम्पलेन्ट समाप्त हो कम्पलीट बन जायेंगे।

अव्यक्त बापदादा - 01-10-75

/AvyaktMurliEssence

शिवशक्ति सरस्वती माँ

उनकी धारणा बहुत उच्च कोटि की थी। मम्मा बोलती बहुत कम थीं। केवल क्लास में या किसी से व्यक्तिगत रूप में मिलते समय ही हम उनकी आवाज़ सुनते थे। परमात्मा की याद में लवलीन रहने की उनकी एक स्वाभाविक स्थिति होती थी। उनके आस-पास के प्रकम्पनों से जो अपनेपन का अनुभव होता था वह बहुत सुखद प्रतीत होता था। उनके हर शब्द में ज्ञान समाया रहता था। यूँ कहे, उनके रोम-रोम में ज्ञान समाया हुआ था। उनको देखते ही परमात्मा की याद में हमारा मन मगन हो जाता था। याद करने की मेहनत नहीं करनी पड़ती थी। परमात्मा पिता की याद सहज आती थी।

जो अपनी सूक्ष्म शक्तियों (मन-बुद्धि और संस्कार) को हैन्डिल कर लेते हैं, वह दूसरों को भी हैन्डिल कर सकते हैं।

दिन में रूहानी ज्ञान का मनन करो। यह हमें व्यर्थ सोचने से बचाएगा और इस प्रकार हमारे समय और ऊर्जा को समाप्त होने से बचाएगा। साथ ही,यह हमें यह ज्ञान भी देगा कि आध्यात्मिक ज्ञान को अपने जीवन में व्यावहारिक रूप से कैसे उपयोग किया जाए🙋‍♀️🌹

- B K S H I V A N I

Repeated patterns of
Failure, Rejection, Disease,
Are we destined for it?
First time was Pre-Destined
Due to our past karma.
The next time and the next is
Result of our Fear of Recurrence.
Create a thought daily -
The Karmic Account Is Over...
Never To Come Again.

facebook.com/BKShivani | youtube.com/BKShivani

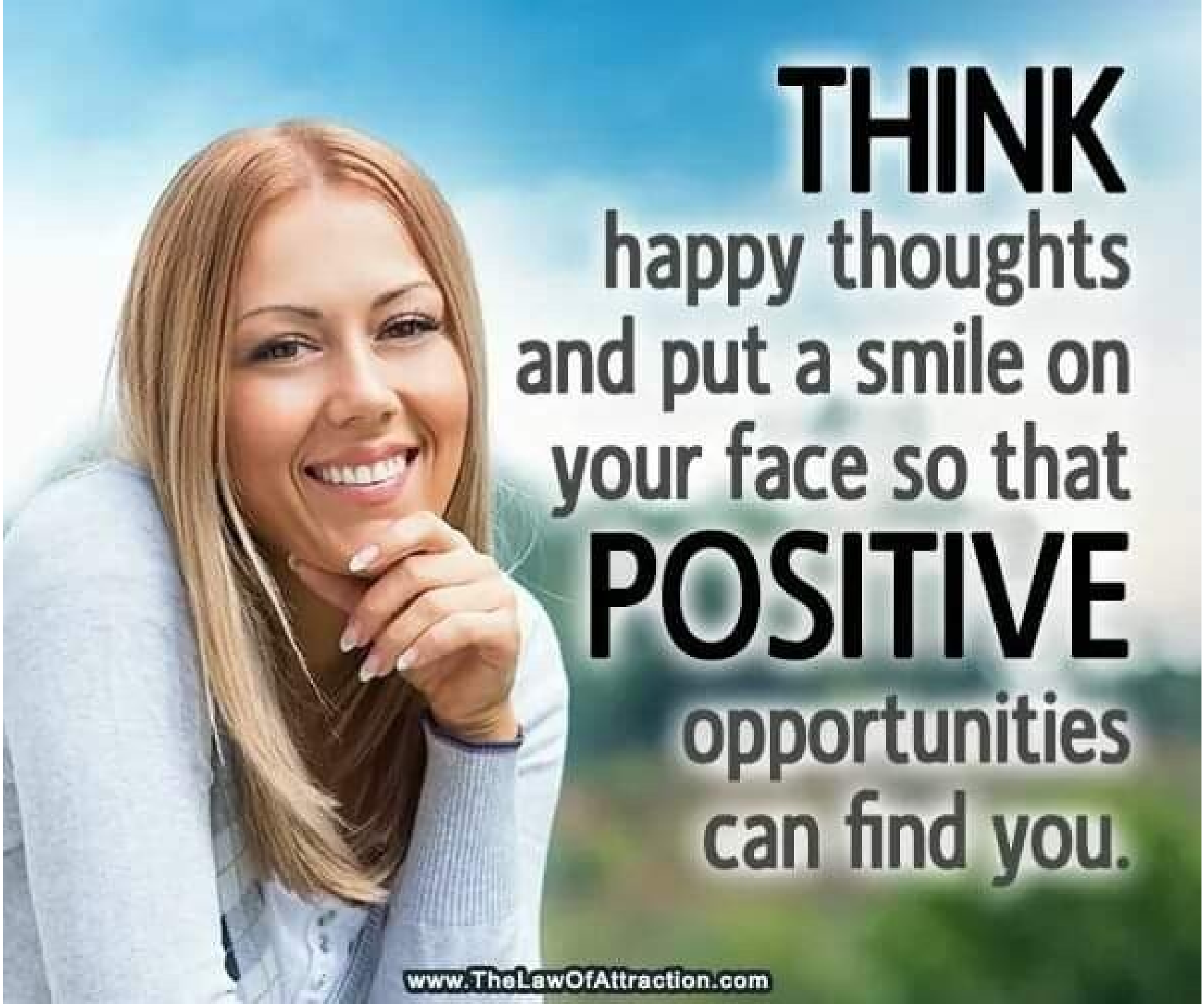
THINK
happy thoughts
and put a smile on
your face so that
POSITIVE
opportunities
can find you.
www.TheLawOfAttraction.com

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org